

---

# Shri Sharadadevi Stotram

---

## श्रीशारदादेवीस्तोत्रम्

---

### Document Information

---

Text title : Shri Sharadadevi Stotram

File name : shAradAdevIstotram5.itx

Category : deities\_misc, gurudev, rAmakRiShNa, stotra

Location : doc\_deities\_misc

Author : Abhedanandasvamina

Proofread by : Aruna Narayanan

Description-comments : rAmakRiShNastotramALA, stavanAnjali

Acknowledge-Permission: Ramakrishna Shivananda Mission, Varasat

Latest update : June 12, 2023

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

June 12, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीशारदादेवीस्तोत्रम्



संसारसारभूता या, शारदा मातृरूपिणी  
गाढान्धतमसि सा वै, ज्ञानदीप स्वरूपिणी ।  
जनानां हृदिसंस्था या, शोभमाना निरन्तरम्  
शारदां सारदां तां वै शिरसा प्रणमाम्यहम् ॥ १ ॥

अभ्युदयाय नारीणां याऽविर्भूता महीतले  
दुःखार्तानां सेवायै या सर्वकालेषु तत्परा ।  
तृष्णाप्रशमनार्थं या, कारुण्यामृतवर्षिणी  
करुणाद्रां शारदां तां भूयो भूयो नमाम्यहम् ॥ २ ॥

अनुभवाय दारिद्र्यदुःखं सम्यकूपेण या  
कुटीरे रामचन्द्रस्य सागता धरणीमिह ।  
बाल्यात् प्रभृति या गुणैर्जनचित्तापहारिणी  
शारदां स्नेहरूपां तां भक्तितः प्रणमाम्यहम् ॥ ३ ॥

घोषिका नवयुगानां पत्या सम्पूजिता सती  
रामकृष्णस्य दयिता, तद्भाष्य रूपिणी तु या ।  
महासङ्घस्य जननी वरेण्या गुरुरूपिणी  
स्त्री रत्नभूता या देवी शारदां तां नमाम्यहम् ॥ ४ ॥

मर्त्यानां जननीं देवीमखिलार्तिप्रणाशिनीम्  
सदसच्चेतरे जीवा येऽन्ये कृपाभिलाषुकाः ।  
यत्कृपादृष्टिमात्रेण धन्याः सर्वेऽभवन्निह  
सर्वजीवप्रसू देवीं शारदां तां स्मराम्यहम् ॥ ५ ॥

अमृतभाषिणीं देवीं श्रवणसुखदां तथा  
सुस्मितवदनां चैव, नयनानन्ददायिनीम् ।  
निर्वाणदायिनीं देवीं मोहमेधापहारिणीम्  
मुक्तिमार्गप्रदात्रीं तां शारदां संस्मराम्यहम् ॥ ६ ॥

परमां प्रकृतिं देवीं सर्वकारणरूपिणीम्  
सच्चिदानन्ददां देवीं क्षमाविग्रहधारिणीम् ।  
सर्वेषामादिभूतां तां भवभीतेः प्रणाशिणीम्  
शारदां ज्ञानदात्रीं तां पुनः पुनर्नमाम्यहम् ॥ ७ ॥

चन्द्रादप्यकलङ्का या, याष्टासखीसमावृता,  
जानकी-राधिका देव्योः या प्रतीकस्वरूपिणी ।  
आनन्दघटरूपेण पत्युः स्मृतिं वहन्ति या  
गृह्णीयात् शारदा माता ममेदं वाक्य संस्तवम् ॥ ८ ॥  
इति अध्यापिका (कुमारी) मितारायचतुर्धुरिण्याविरचितं  
“श्रीश्रीशारदादेवीस्तोत्रम्” सम्पूर्णम् ।

Proofread by Aruna Narayanan

---

—  
*Shri Sharadadevi Stotram*

pdf was typeset on June 12, 2023

—

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

